(23)

(18)

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ५२८[illegible]३ (६३)

ग्रंथ नाम मेघ[illegible]ा.

विषय मराठी काव्य.

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

...सिरे पओणुवर्षेति॥ आनंदगिजिंजेप निसागोसंभु॥ मा... [illegible] नवा... ॥ अत्थेवष्ट
कासि जेभा... पुदंडुहनवमोसिवर्षेसम [illegible] वनुदंसु॥ [illegible]
दि वस्तु॥ तारमेघ बहुलस्तु वोकुवंडे॥ ३॥ अ [illegible] फाल्गुण वदी सप्त [illegible] दिव
स नक्षत्र कृत्तिका॥ काये कादरि [illegible] सप्तिस अर्थ दिस॥ २०॥ [illegible]
त्यादि वदि अमावास्य॥ तेथुन प [illegible] कुपर्वति [illegible] काचेदी वस २५ [illegible]
विस॥ ओसचित्रिपुनारि वदि [illegible] न भाविके॥ ते व्यासादिके अपि...
[illegible] तलोकासि॥ ४॥ [illegible] मेघ माल [illegible] पुडे पथुन [illegible] पानाविस्तार॥ साध
नसकलावारु॥ गुरु वारु मेघ माला [illegible] मुनि गुरु असे॥ वैचक [illegible] पाडिवा वार
दिसे तो विमेघ नाठु॥ ७॥ तै परि बलेउन भोगु॥ लुख [illegible] भिक्ष ओ [illegible] तो गिन॥ [illegible]
धान्येपि वृति॥ निजो गिदेवी कचु केति॥ पवक खंड विभागे॥ [illegible] यासि [illegible]

(1)

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

गा पुर्वे दिसे न भोगे ॥ [illegible] ॥ वृषासि वर्तते गुरु ॥ मनासि आनंद सु काल थाजु ॥ [illegible]
भूमी निरोप असे ॥ शुद्ध वैशाख पाडिवा वार दिसे तो विशेष नाहु ॥ [illegible] जो [illegible]
वेकुन कचारि ॥ पर्जन्य बहुत ॥ सिन कामधेनु ॥ तेणो सुख जनु हरिखे [illegible] कास [illegible]
रु ॥ मिथुनि गुरु वर्तते ते व्हानि छत्र लक्ष्मी [illegible] ॥ शुद्ध ज्येष्ठ पाडिवा वार दिसे तो वि
शेष नाहु ॥ [illegible] से यो नाचे [illegible] कर्क बहुत ॥ नाडि कमाडा दुभिक्ष [illegible]
ग नोल [illegible] ॥ कृपा सिपा वि असु [illegible] गुरु वर्तते ॥ तरि विशेष [illegible] ते पा [illegible]
के ती वार आषाढ शुद्ध पाडिवा वार दिसे [illegible] नाहु ॥ [illegible] ते वर्षे [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ नाजु तयासि पडुडा तील काल नष्ट [illegible] मंदा [illegible]
[illegible] पा [illegible] ॥ [illegible] सि नाग बीला [illegible] पु [illegible]
गुरु वर्तते ॥ तेपर्य सि कांते ॥ श्रावण शुद्ध पाडिवा वार दिसे तो विशेष नाहु ॥ ते

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

3

संवत्सरि ॥ पाठि नैऋत्य भिक्षा बहुत आहे ॥ देसावनवास होये [illegible] पा ॥ नाठि कउ ठवि नि ॥ मा[illegible]
सिरे लोठ विविति ॥ इत्यवसागे पावतिये ॥४५॥ पराभव संवत्सरि ॥ अधिपाऊस भारि ॥ [illegible]
केनि परिक्षित अधु ऊणा ॥४६॥ प्लवंग संवत्सरि धुमसे कुउद येत नरिपा ॥ लोकपिडे भारि
[illegible] पाहिदिसे ॥४७॥ किलक नाम संवत्सरि ॥ [illegible] पिक पाऊस विचारि ॥ [illegible] सनपिकाति
पूर्वोत्तरि परथे ॥ च [illegible] नाठ बाधा ॥४८॥ सौम्य संवत्सरि ॥ आगापिपि मागासे पिकति बहु
होतरि ध [illegible] सुखकारि सदा आनंद संव[illegible] ॥४९॥ साधारण संवत्सरि ॥ सर्वधान्ये
पिकति बारि ॥ [illegible] सुकाल सुंदरि म काय[illegible] विरोधकृत संवत्सरि ॥ पाऊस पिक मंदा होती
तिवारि ॥ [illegible] दिसे ॥ [illegible] रवेस ध्या ॥५१॥ परिधावि संवत्सरि ॥ पाऊस प
रे बहु होये ॥ पिक मध्यस्त होये [illegible] अधरु पजे ॥५२॥ प्रमादि संवत्सरि ॥ [illegible]
पिक [illegible] किति [illegible] ॥ [illegible] तीन चयाति भाग दिसे ॥५३॥ आनंद संवत्सरि [illegible]

तिपाऊस पिकाक्षिति वरी ॥ उंदिर चोन उत्पति ॥ नवं येक दिवसे ॥ राक्षस संवत्सरि ॥ पिक पा
ऊस मध्यम होये ॥ बहु पद याधि उरवं कल दिसे महिने तिनि ॥ ५९ ॥ नल संवत्सरि पिक पाऊ
स क्षिति वरि ॥ परकानि छ पिक वि-चारि ॥ रा [illegible] बहुता परि उपुद्रो होये ॥ ५० ॥ पिंगल
नाम संवत्सरि ॥ गति अगाते नके ति ॥ मा [illegible] ति पण अधु बहुत ताणा ॥ ५१ ॥ काल
युक्त नाम संवत्सरि सर्व धान्ये ॥ [illegible] स [illegible] बाधा भारि दक्षी पादिसे ॥ ५२ ॥
सिधार्थि नाम संवत्सरि ॥ होये सर्व धा [illegible] दोसि ॥ पिक बहुत होये दाहिखं ऊ ॥ ५३ ॥
मरक ना — कावेरि दे सिंदु कोल्हु होये ॥ ५४ ॥ रौद्रि संवत्सरि ॥ पिक पाऊस बहुत को
ये ॥ पण अधु नास्ती ॥ गाइ महिसी ॥ खेलि मेढि ॥ इतु क्यास थोर नाते वाधा होये ॥ दु
र्मति संवत्सरि ॥ प्रथम पाऊस माध्य होये ॥ तिठो गह्रुव ठो ॥ वाले हि पिकाति ॥ ५५ ॥ दुंदुं भि सं

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

री॥ न्हालेंय रूबे र्षिक नक पारि॥ तेणेसें तो षुअ वेधारि॥ धुरुव पावोनि॥ ४३॥ आपणेनं ग
ने बाले॥ जनानि रुजनसकलें॥ प्रतन्य बहुत बतेसि निवारि॥ ४४॥ सिन बरन घेनु॥
जो काम नंदु मनी बहुत॥ धर्म उदार्य॥ यात कासि तिहि लोकि अस्मा मासे ते श्रुहा
व॥ पन अनंदु प्रकाति स्वी॥ ४५॥ [illegible] पत नासि तेव बौ वमे चासि निनि मार्षी
स कपासि प्रका हार्च वडे॥ ४६॥ [illegible] दि से तो चिमेघ नाजु॥ ते आगप
पे आसति॥ भाग से पिकती॥ लोक व[illegible] खदर॥ ४७॥ गुरु रूव र्ते कुलि॥ ते मेघ
वर्षति परि बोलि॥ नातया ते वेलि पना[illegible]॥ ४८॥ आश्विन मासि पाडिबा वार दि
से तो चिमेघ नाजु॥ ते आतिर्छा दिपरो॥ गस्च स्ला च व्या धे पिडा॥ पर बहुत उदक
लोक च पासि॥ ४९॥ गुरु वर्ते वृश्चिकी तरि स ते चे मेघ वर्षो॥ शेनि॥ आदि कार्तिक पाडि बो बा
रु दि से तो चिमेघ नाजु॥ ५०॥ --- जे दिपरो॥ व्या धेपिडा॥ उरिविस्लाम नुष्य पासि बहुत तोये॥ ५१॥

(6)

जीव तें गुरू म ध्यस्त होय ऐसा वारु ॥ जो आदि वार मार्गशिर दि [illegible] पाडि का वारु दि च
तेम्हें प नाक्रु ॥ तिन्हें जो णा गुळ का पुसु गरु वा ढुल माघ होति ॥ गुरु वर्जे न करि ऐसें ॥
ले तुषार सुं दरि ॥ येनी धरू वायु गति ॥ ८७ ॥ तै उठवि पश्चिम दिशा विके असे मासा सा ॥ दि
से आस मास मासु का कि वर्जे ॥ ८८ ॥ भूमी पा [illegible] माथे वाधे ति ॥ परु हा नि म रो नि
॥ ८९ ॥ पुढे नासति मर्दि ले स्नान ॥ आवता [illegible] होय ॥ जो पम ध्यम प्रकारि ॥ सर्व स्वे है
तारिले ॥ ९० ॥ कण माघ वरु पाप वर्जे ॥ [illegible] ता आढुल विढुल मेदिनि होय ॥ वढु ॥ ८
माल कळले [illegible] या सि ॥ ९१ ॥ कुंभि वते [illegible] शुद्ध माघ मासु पाडिवा य तर स्त्रि हा हो
धरू मे घासिनि तेपु आलु ॥ ९२ ॥ [illegible] नो पदे कुन धरु ॥ ते सितिहु लव र्षे परि बले ॥ सुरि ता वा
स्ता निरव ला ले ॥ वुरद कणाणि कि मल विनि मल ॥ तरि वा वि सरति ॥ क णा पान [illegible] कातें हल
तो स्वे ढुल्हा [illegible] नि ॥ आनंद वरु न [illegible] ना सि ॥ मारि वाफा [illegible] भ नि ॥ [illegible] भा वोड पाय

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

कृत्तिका वारि येमाः कृत्वे ऋक्षः ॥ कंठि असे तिवाहे फलो ॥ रिवं तु ॥ कारवेपर वाहा ॥ कारिणो पुष्य ॥
रोहिणी येयने ॥ कष्टसुत्री मृगशिरा ॥ मार्दिये वस्त्र हानि ॥ पोट रिपे मैत्री हानि ॥ घोडे घोडा ॥
तल वामरण ॥ काउंमे ॥ डि दात कर्म ... सुभिक्षाचे हानि ॥ माहादेव ॥ मगेल
रपि मालि निरुति वासी खचि ॥ ... वै ... ते वे रक्त रवि भय ... ॥ स्वाध्ये ... रोहिणी ॥
आषाढ ॥ आरद्रा ॥ व्याव ... पुष्य ॥ ... आश्लेषा निर्विघ्न ॥ कार्ति कि विरा
रवा ॥ मार्ग शिरि ज्येष्ठा ॥ पुष्ये पूर्वा ... धनिष्ठा ॥ फल्गुन शततारका ॥ रेवे
... फाल्गुन माहान क्षत्रा विचालि ... ॥ ११ ॥ ब्रह्म ... भवे ... ॥ स्वाति लाभे
ललाट के ॥ तस्मा ... पनिता भुमि ... खल ... वे ॥ अपने ... वने ... दरो
... ॥ मुख समे ... नभ दंताः ॥ ... चैत्र ... ॥ ... ... ॥ ...

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

णी रुः ॥ द्र हूं ॥ सोभि वंत ॥ हृदय रस्थित सिधिः ॥ गठवे भोगासं पद ॥ [illegible]
सि येत्र [illegible] ॥ कपाळ नव रांगन ॥ वज्र वापती ॥ [illegible] ॥ [illegible] चरण दान वे ॥ [illegible]
सं चा [illegible] चीब यनंभ बेद ॥ पाणि म दाध [illegible] मने ॥ [illegible] वे ना ॥ इती ते पाकिं लक्षणं ॥
[illegible] ॥ तकालि विडि साद्ये न ॥ गीस्य [illegible] कालि [illegible] ॥ [illegible] चास धाडे ॥
नायेतो ॥ अंभांड बवे ॥ पाणि वादे ॥ [illegible] ॥ [illegible] चीडं [illegible] पितरि [illegible] सतादिकसर
यरदंद ॥ [illegible] ॥ [illegible] चनरि लहु [illegible] से का [illegible] तरि ॥ [illegible]
सा ॥ स [illegible] चाडे ॥ कारे [illegible] तरि ॥ [illegible] बोल ॥ कारं तरि भय साधे ॥ [illegible]
[illegible] ॥ पाषा ॥ गौव रात रि [illegible] ठीया ॥ [illegible] वैश्य [illegible] ये ॥ [illegible]
[illegible] ॥ चीरवाणी चिडि ॥ कालि चिडी पक्षणि ॥ चर्णि ॥ [illegible] असे ॥ मैथे कालि वन [illegible] ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

दिसे॥अथ वापुनी विअवसे॥तरिसायासका औसेलोकच पासि॥॥ध्वेतपिनअर्घ
होये संगितका॥सिंधु नवर्णगर्भ वेष्टले आकशा॥शुद्ध पक्षिनिस्तरास रूक्षु पासि
जुणसापे॥१८॥मार्गसिर वद्य वति [illegible] मानक्षत्र तिये निधे॥आकासि विह
स्फुरति॥अथवा गर्भ दिसति॥औ[illegible] सति॥आषाढमासि पडति॥लोगारेव
लति निनाचि॥२०॥मार्गशिरवद्यि अ[illegible] नकासि विनले वेपयेसा॥तो निर्यांत
न वैसा॥तुतेउवलिसा गोसानि॥२१॥[illegible] दिसमसीस॥मेघ आनंभे करति॥
दिवस नक्षत्र स्वाति॥लविशि दिनप [illegible]॥मार्गशिरवद्यि नुवमि ते आदर्श॥मेघकु
दर्शि॥अमावास्या॥अथवा दिवस नक्षत्र चित्रा संगमे सि गया॥नि विहलवे तो विध्वयर्प
गर्भपोषते॥२२॥अथवा आषाढ शुद्ध पासे॥संयोग भाष्य करिति॥तो चुग शब्द भणा॥
दि॥सर्व लिहाती॥आनापुसा मासा गर्भ वेष्टले आकाशा॥ते विपर्यसि भाक्षिभाषा

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(10)

... मे ॥२४॥ पुष्य शुद्ध जये ॥ तिथि: शततारक नक्षत्र चित्राये दिवसी ॥ कार्तिक दिसति दु

र्भिक्ष लक्षण ॥२५॥ ते आषाढ वदि चवति ॥ निबंद वर्षति सत्ति ॥ सा नाम त्रिदश ॥ त्रिपुर्सा ॥

... री ॥ पुस शुद्ध सप्तमि पासुन पाहावे दिवसा [illegible] ति ॥ एकादशी पुनः ढेल लक्षण ॥ वौक्रीद

सति ॥२८॥ ते आषाढ वदि अमावास्या [illegible] वर्षति सर्व देसि सुभिक्ष सर्व दाने राज

पुस वदि सप्तमि पासुन निरूती ॥ ग [illegible] ता ॥ नो अव [illegible] निवर्तती वर्षा नेवधदोव

सती नि ॥३०॥ आणिक सर्व त्रिकाय [illegible] मास नाही ॥ वर्षति ॥ एवं सइश्वर ॥ पुरी

वचन स्तगे ॥ पुस वदि अष्टमी [illegible] वडू हो ये ॥ श्रवण दिवसु नक्षत्र [illegible]

प्रतिपदेस ॥३१॥ वोदी सुभिक्ष ते दिवसि ॥ वृ [illegible] प्रमाण ॥ नरि दुर्भिक्ष लौकासि कौतुक चक्र

है ॥३२॥ अनावृष्टि माघमासा ॥ [illegible] सुभिक्षा धान्य वेसा ॥ साधु तो मासा गिरन घती ॥३३॥

श्लोक: स [illegible] मासि ॥ ग [illegible] नमाये आकाशी ते गोस्ता है सी ते [illegible] आदिकों [illegible] ते सिद्धि

" Joint project of the Rajavade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(११)

मोजिया ॥ ये कादस्ति जोगिया ॥ बारासि पुपिया ॥ ते रासिस सर्वगुणपुरता ॥ प

ण चतुर्दशी ॥ यौदावे लागु ग्रावयानिघे ॥ मासिव णो चिठप्रमादिठे ॥ अयन

नी चेमाना पिलया सनि ॥ हे तिथि जातक साहादेव होयेवलेता ॥ साहाविच्छु हो

ये वदना ॥ सी रस्यावेचपादु ॥ म[illegible]री बोले यंपु ॥ मुडपी वाले श्री नोजाओ

मंनु ॥ बाहोपन्नस कासे धेन [illegible] सकोपे दारूणनरु ॥ हदायं चासि हो

पं नरू इश्चरु ॥ जमलिस दाभा[illegible] त्रिपन्न होये पन दारि ॥ न्याय

तालिसु होयनिरस्पृं दरु ॥ नलवासा[illegible]टरी पेसा ॥ साहादेवो मणे नुकुला हि

हो निवर्तिता ॥ मातापिता अस्सवे ॥ साधन या साध्य नाअि विनासु ॥ हे कोट नस

न पडिले ते साधेन ॥ २२ ॥ मुल लागले तयाचे फल ॥ साधेन ॥ पोरि साहे पाल

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

टा मुरवी सोहे आधाउ ॥ सुनु ॥ येआहाणि केसा ॥ ब धु मेको ना वेला आहाणि ला ॥
येहाना सेमाभा ॥ हृदी साये कोसहस्त्री अधारू ॥ कमलासाये ना से ॥ हुनाहू
गुदासा येणेनासे ॥ उन्मनी माना आवृ ये नाधे नासे चुलना ॥ उनवी याना धे लो
सेअना पिना ॥ नलवासानलारि ट मनयाधना ॥ कंसरि नालु को ॥ लाह
ताहे माढि गाणा ॥ साहदयो म मु वारी वारखाणा ॥ ८३ ॥ ज्ञाना आ षी
लोगति तेसाचेन ॥ पहिलि पास ला बोलु दोमाना ॥ सानेकी लव
अठे पित पाकाल ॥ तीपय ढ्वारि ॥ बोरेतु गि या ॥ सायेपेडिलाफा ॥ विदे ॥
अ बने अपणापारखाये ॥ नवेन वनाधु ॥ कासिंधु हुगिहोये ॥ या आ षा घ
डियालेरिकिले ॥ ८४ ॥ अनाचोनरचे उसा येन ॥ जामेनि धे आणि आ दिसे ता

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१३)

साव बारु ॥ मेलविजे ॥ भागु ४८ ॥ दिजे ॥ पुर्वे ठाउन आठा दिसा चि चुनारवेडि ॥ उग
कारिसा घिजे ॥ ४८ ॥ उभि — आणि आदित्यापासाव वारमे लविजे ॥ भागु ३
नी दिजे ॥ मग उरले ते नागणा ॥ सत्य [illegible] र नम ३ सले न गोना नासे ॥ न [illegible]
वलानासे ॥ नमे कालानासे ॥ [illegible] पडिजे ॥ ४८ ॥ उभोनि पिक [illegible] आ
दित्यापासुनी ॥ बारु मे ॥ लविजे ॥ भा [illegible] दिजे ॥ सेषउचे ले ने नया सा घिजे ॥
ये के लु ॥ दोमेलु ॥ निमार्गु वाहानि ॥ चउ द [illegible] पांचं ये ता दि सति ॥ साप पर ता ति ॥ साते घे उ
देउ जे जा ति ॥ ४७ ॥ आ ना वा हाने सा धे न ॥ गज वाजि [illegible] वाडि रमे ठा [illegible] बा ४ खर ५
उष्ट्र — के सरि ७ ही वाहने ॥ ४५ ॥ आ ना था त्रा ना लेख साधेन ॥ नृपति [illegible] सासी [illegible]
रिपि ३ मा मा वुली ४ आ इडि र रे ना वम ॥ [illegible] का ला [illegible] चे चा [illegible]

A Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

रुपिले ॥ ऊ सिंनि थि मिल बिजेन वेंभाग दिजे ॥ उरलि ने या नी ॥ ७७ ॥ अपपरि ॥ ए श्री
के ताप्रिति जे दारि ॥ वायुजलि ॥ आकासि गिरि पर्वेति ॥ एवं प चनल ॥ ७ ॥ आवरीनां वि
आने अयो सि ष या ताणनि ॥ मासा कं दु बिनवो ॥ अप चरिनरि म्ह स्क नाहि ॥ नाठया ॥ आ
नरि बान का ॥ नरि दिली मि लि ता ॥ रीन ना म आलु मालु ॥ दिन कु द तो कालु ॥ दीनया
ता मान चे इजे ॥ लुग व ना शासि ॥ नवि पनि ॥ कु न ठ नास छा सफा वाले ॥ जि मनि गाग २०
नाकारे ॥ ठा काति याये ॥ ए वं समा ना ॥ ॥ स्वामि ग्ग्र र चे दर्पण ॥ कादेव
ता प्रतिष्ठा का रणे ॥ इतुके सर्व जाणा ॥ चंद्र करिले ॥ ८१ ॥ -- पलास्वामी गुरु ॥
कोडा वया काढिला वोल ॥ वाहान असिला चें ऊ नरि ॥ --- नाहि ॥ ८२ ॥ मालोवा
ना ध्यान करि ना रायन ॥ मोऊनी पाहातां ॥ आपणीनीनीरू तास हस्त कीरा

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(15)

वद लिहिधंसिनि ॥ विम्रोडे नानायणी ॥ स्वस्त वदसीपत्रमेश्वरि ॥ सत्यवदन्हि नातरि ॥ गै
रिमाहादेवाचेपुजे सिपाथेलाविहिरि ॥ सत्यं ब्रह्मि मणोत्नि ॥ सत्यवदकुमरि ॥ कर नी अ
सत्य दिजति ॥ कुमारि कुरि चिडिप [illegible] ॥ चिंतु नि आसा कुमारि करदीठे चि
डे ॥ चो चिववरिठे चिडे ॥ तरि मरणसाचे [illegible] नि रोरि धितिसाचे ॥ मेरि ठे बितरि
सोचे ॥ के डिंभनणासाचे ॥ हृदयि सोर[illegible] ॥ पाइपेठे साच्चे ॥ पाठि सर्वी सिद्धि रसांचे ॥
गष्टिनाष्टिकारासांचे ॥ कुठि मनणासा[illegible] सोनकुडि ठियासाचु ॥ एवं कालि विहि स
माप्त ॥ ॥ मेषु श्री सुपुर्वि सणपी ॥ सापेसायें वेरभ्रा ढिचि अढे चि गुणि ॥ पाच मेके
द्रि दिला ॥ सापेसा याकुमाबो राहिला ॥ बाणासाडे निवेपेज साठ — ल सिंगुपात्रलो ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(16)

वोदे पंथे नजीव तामुधंतात्राहाला॥ऽ नर आले वडे मेषासि॥कुमी चिबलेवी रू पासगे
ली॥वै नपासि॥ददे चुवलि॥ऽ स्पाते कालु दे विला॥आदु ये तिणो निघ नासि आला॥अ
मेष्यचन तो विदं दिप्याते ४॥आ ताले रवी [illegible] दे हो॥आणि गोरखे आणि गो हने॥ही वेग
लि येनदंदे॥माझ्या ददासि ऊणी॥नी [illegible] ख च्या बरि॥ अपस बंदु ये कप्र तापु॥सु
र्य वेसितु रवोवा॥५॥ ह्मणे के रवो [illegible] बंदु या वरि थाक वी॥आ तास वस्त्र ना ॥२३
वी॥कालु गंडा ना चे सचीष सावेल॥ [illegible] यनेत आसले॥ तो प्रभ वा पासुन ले
खिजे॥किति हा निंत द्विगुणिजे॥द्विगुणिले आसति॥ साम्यचे ही निठउणे किजे॥आगु
साने दिजे॥ कोष्ठ उरे ते पाहिजे॥१॥ ये कुड नलिया ढु कोलु॥१॥ दो निठ नलियास काल २॥
तिन ठनले पा मच्यस्त्र पक्षी॥ र ठचालि पाढु कोलु ४ पाच ठनलिया ६ कालु ५ ला ठ

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

रलिया सामान्यपक्षु ॥६॥ सातउन लिया निश्चो कुभंगोगेले नरि मीहाडु कोलु ॥७॥ – स
खंडलखंड ल नाज्ञिक चोरमयपिडांकु सु ॥७॥ आता आंगिलस पै साचेन ॥ मिथु ५७ व
षभु ५४ मीथुन ५५ तं वे ५४ सिंह १८ [illegible] तुल ४८ वृश्चिक ५८ ॥ धनु १८ मकर ब [illegible] कुं
भ ५८ मिनु ६० ॥ अस्त्रिवी पुरुषा चि [illegible] ॥ वर्षे मेलविजे ॥ भागु उती निदी हे ॥ शेषक
नले ते पाहिजे ॥ पेकुउ न लिया पुरुष म [illegible] निकुन लिया आस्त्रि नहुवे ॥ ति [illegible] निकुन
लिया पुरुष न्हवे ॥ अस्त्रि आणि ने प्रवे [illegible] र्ण मसाप ॥ आता साचे न [illegible] मि आणि
ताप्रकारु ॥ आता मिसंतिक [illegible] मि ॥ ८ यकुं तिथि रिमेलविजे ॥ भागु सा ते दिजे ॥ शेष उने ते दिसे
रनो पुढि लप्रकु मि धरिजे ॥ आ [illegible] ॥ आता वंदसु यी चीली है साचे न ॥ ली उ पा वेगु णिजे नक्षत्र
मेलविजे ॥ तीनि भागु दिजे ॥ ए कं जे लीखानच्छेदल ॥ २ दोनि वलिर वाचेदल ॥ निलि उ [illegible] त

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

तलि कुरगाचे दल ॥ १ ॥ ७ ॥ वेरे ये कोश्री । नेणि आदरोसि काय मागो ॥ दक्षिणे राहुन, तो केणि
ने अतस्य कोलिणि याणि ॥ पश्चिमसि नाइ कुळ विणि ॥ वायुव्ये या भारिणि ॥ बोको ॥ उत्तरे [illegible] रखा
टकिणि । जरवा ॥ इशान्ये निरि गोइ ॥ ७ ॥ [illegible] सनाणि ॥ मध्ये मंगल नेपा मादि । पाचे अ
ग्तल्लेसुरिनोनस ॥ लो काव्यापिला आ [illegible] ने राणि अधान्छ गु ॥ सनते ऋकवट पा
सि । पसी ऋंगुले सुरिचण ॥ सीलेनुपे [illegible] मा [illegible] जो ॥ पुन वेस्रहसुनो ॥ धु, धनिधुनासि ॥ २
मारि ॥ को या चान पाये ॥ पुनबेसुहस्तु तु [illegible] ॥ मध्ये कुकुले नाये ॥ कवोसुसोमभू
सि ॥ नाकि चानि पाये ओसत्या ॥ १ ॥ [illegible] याचे वि – चपाये ॥ मपापुर्वविचित्रा नारि ति आकु
लिहासिमारि ॥ – सछि चानी पाये । उनरु राहस्तु अर्थ चित्रा । ते बुय कन्ये सिमारि । [illegible] उदा
मोलि च्यानि पाये ॥ अर्थ दिवा स्वाति विशाखा । सुले ऋकुनुलो पे मारि ॥ जारव ० । नारि को

Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com